

3 (Sem-4/CBCS) HIN HC 3

2024

HINDI

(Honours Core)

Paper : HIN-HC-4036

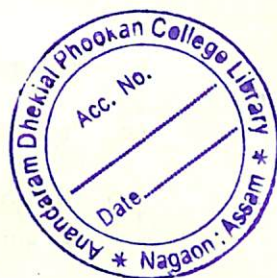
(हिन्दी नाटक एवं एकांकी)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

*The figures in the margin indicate full marks
for the questions*

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : $1 \times 10 = 10$
- (क) 'भारत दुर्दशा'/'अंधेर नगरी' नाटक का प्रकाशन कब हुआ था?
- (ख) जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित किसी एक नाटक का नामोल्लेख कीजिए।
- (ग) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की राजकन्या का नाम क्या है?
- (घ) दन्तुल किस नाटक का पात्र है?
- (ङ) ऐतिहासिक नाटक किसे कहते हैं?



2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए :
- (क) 'आषाढ का एक दिन' नाटक की पात्र मण्डिका की कोई दो चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।
- (ख) पठित नाटक के अलावा मोहन राकेश के अन्य किन्हीं दो नाटकों के नाम उनके प्रकाशन वर्षों के साथ लिखिए।
- (ग) "प्रत्येक पुरुष के लिए ही एक कविता है।" पठित एकांकी के आधार पर इसका संदर्भ स्पष्ट कीजिए।
- (घ) भारतीय के किन्हीं दो अनूदित नाटकों के नाम लिखिए।
- (ङ) "सिन्दूरहो मेरे अतिरिक्त और भी कोई गुम इस प्रकोष्ठ में साँस ले रहे हो? सामने क्यों नहीं आते? किसी भी भावना में गुहराया स्वागत है।" पठित एकांकी के आधार पर प्रस्तुत कथन का संदर्भ स्पष्ट कीजिए।

2×5=10

- (ब) गुरु साम्राज्य की राजधानी का नाम क्या था?
- (ङ) 'एक घूँट' एकांकी के रचनाकार कौन हैं?
- (ज) 'यह स्वतंत्रता का युग' एकांकी के पात्र जयंत की पत्नी का नाम क्या है?
- (झ) 'वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति' के नाटककार का नाम बताइए।
- (ञ) भारतीय किसे एकांकी का पात्र है?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए :
- (क) सप्रसंगा व्याख्या कीजिए :
- किसी संबंध से बचने के लिए अभाव जितना बड़ा कारण होता है, अभाव की पूर्ति उससे बड़ा कारण बन जाती है।
- अथवा
- मेरे भावना में एक भावना का वर्णन किया है। मेरे लिए वह संबंध और सब संबंधों से बड़ा है। मैं वास्तव में अपनी भावना से प्रेम करती हूँ जो परिवर्तन है, कोमल है, अनसूझ है....।
4. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए :
- (क) नाटक एवं एकांकी के प्रमुख अंतरों को स्पष्ट कीजिए।
- (ख) 'भारत दुर्दशा' एवं 'अंधेर नगरी' नाटक में चित्रित समस्याओं पर एक टिप्पणी लिखिए।
- (ग) 'आषाढ का एक दिन' नाटक में घायल हरिणशावक के दर्शन का महत्त्व क्या है? स्पष्ट कीजिए।
- (घ) उद्देश्य की दृष्टि से 'विषकन्या' एकांकी के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।
- (ङ) शोखर के व्यक्तित्व का परिचय दीजिए।
- (च) पठित एकांकी के आधार पर जगदीशचंद्र माथुर के एकांकीकारों की किन्हीं दो विशेषताओं पर संक्षेप प्रकाश डालिए।

5×4=20

(ख) भारतेन्दु हरिश्चंद्र की नाट्य-कला का विवेचन कीजिए।

अथवा

कथ्य की दृष्टि से 'भारत दुर्दशा' अथवा 'अंधेर नगरी' नाटक की समीक्षा कीजिए।

(ग) “‘यह स्वतंत्रता का युग’ एकांकी में नारी की स्वतंत्रता पर पैना व्यंग्य किया गया है।” प्रस्तुत कथन के आलोक में विवेच्य एकांकी के कथ्य की समीक्षा कीजिए।

अथवा

‘भोर का तारा’ एकांकी के कथानक की समीक्षा कीजिए।

(घ) प्रसादोत्तर नाट्य-साहित्य की विकास-यात्रा का लेखा-जोखा प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

‘विषकन्या’ एकांकी के आधार पर चंद्रविजय की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

